AGPE THE ROYAL GONDWANA RESEARCH JOURNAL
OF HISTORY, SCIENCE, ECONOMIC, POLITICAL AND SOCIAL SCIENCE
ISSN (E): 2583-1348 | A Peer reviewed | An Open Access & Indexed
Volume 07 | Issue 02 | February 2026 | *www.agpegondwanajournal.co.in* | Page No. 12-17

अनूपपुर जिले के कृषि विकास में जल संसाधन का प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

संगीता उइके[1] डॉ. आर.पी. सिंह[2]

1. शोधार्थी भूगोल, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी, मध्य प्रदेश
2. अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, रीवा एवं शहडोल संभाग, मध्य प्रदेश

सारांश –

प्रस्तुत शोध पत्र के शीर्षक ''अनूपपुर जिले के कृषि विकास में जल संसाधन का प्रभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन'' का चयन इस उद्देश्य से किया गया है कि क्षेत्र में कृषि की वर्तमान दशा, उसमें जल संसाधनों की भूमिका तथा दोनों के मध्य परस्पर संबंधों का सम्यक विश्लेषण किया जा सके। अनूपपुर जिला भौगोलिक विविधताओं से युक्त होने के कारण जल संसाधनों की उपलब्धता में असमानता बनी हुयी है, जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन एवं उसकी प्रवृत्तियों पर पड़ता है। इस शोध में वर्षा, नदियाँ, जलाशय, कुएँ एवं नलकूप आदि जल स्रोतों की उपलब्धता, उनके वितरण, उपयोग एवं कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है और साथ ही यह भी समझने का प्रयास किया गया है कि जल संसाधनों के अभाव अथवा असमान वितरण से कृषि विकास किस प्रकार प्रभावित होता है। इस शोध अध्ययन से जल संसाधनों के उचित प्रबंधन व वितरण से अनूपपुर जिले में कृषि की संभावनाओं को और अधिक विकसित किया जा सकता है।

मुख्य शब्द *– अनूपपुर जिला, कृषि विकास, जल संसाधन, सिंचाई, भौगोलिक विविधता, जल वितरण, प्रभाव, उपयोग आदि।*

प्रस्तावना –

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की अधिकांश जनसंख्या प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि कार्यों पर निर्भर है। देश की कृषि व्यवस्था की मजबूती जल संसाधनों की उपलब्धता और उनके समुचित उपयोग पर निर्भर करती है। जिनमें विशेष रूप से ग्रामीण एवं अर्द्धग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई, वर्षा जल, नदी, नहर, जलाशयों एवं भूजल आदि संसाधनों की उपस्थिति कृषि की प्रगति को दिशा

CORRESPONDING AUTHOR:	RESEARCH ARTICLE
संगीता उइके शोधार्थी भूगोल, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी (मध्य प्रदेश) Email: sangeeta03071989@gmail.com	

प्रदान करती है। ऐसे में जल संसाधनों और कृषि विकास के बीच गहरा अंतर्संबंध स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

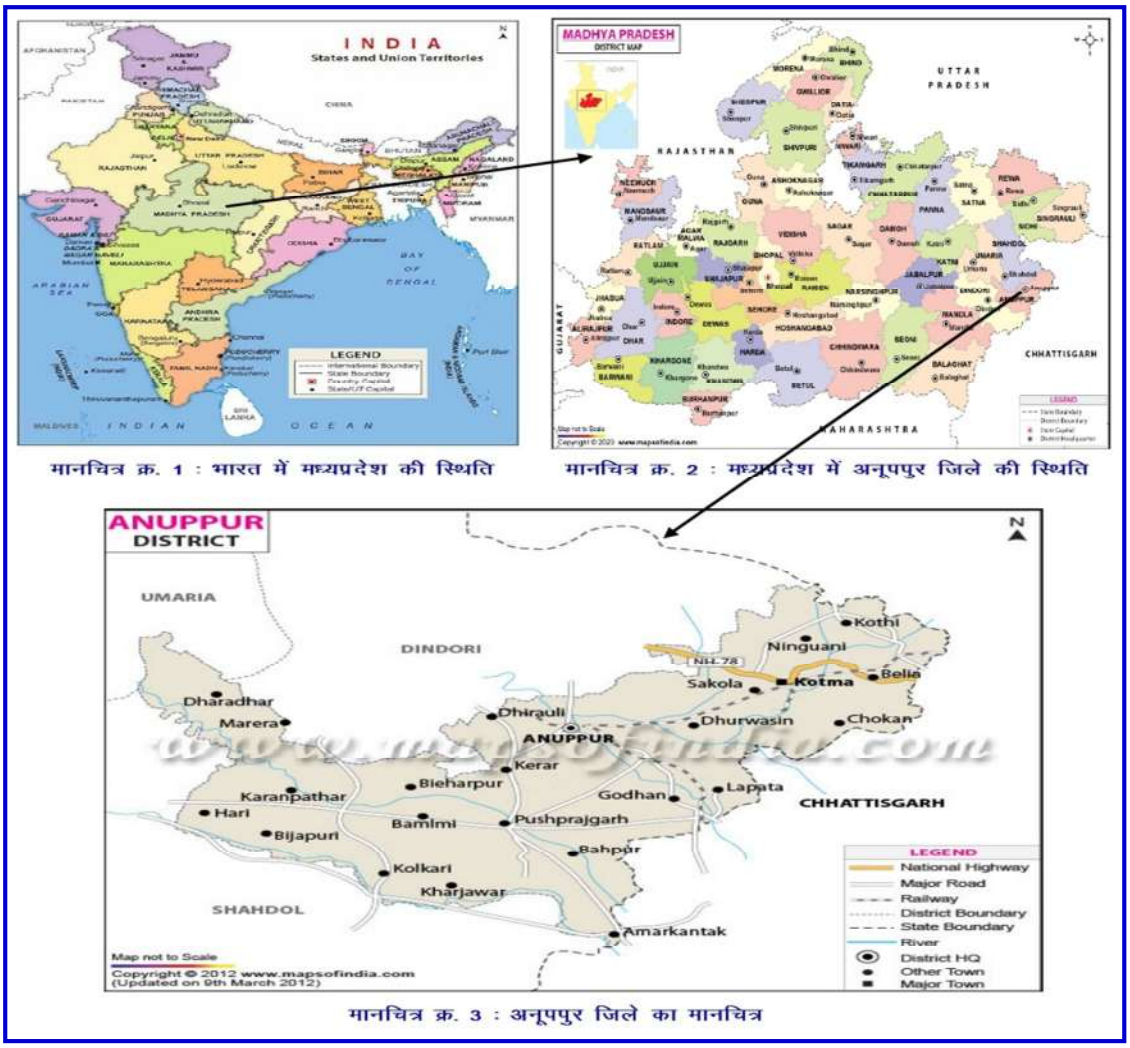

मानचित्र क्र. 1 : भारत में मध्यप्रदेश की स्थिति

मानचित्र क्र. 2 : मध्यप्रदेश में अनूपपुर जिले की स्थिति

मानचित्र क्र. 3 : अनूपपुर जिले का मानचित्र

मध्यप्रदेश के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित अनूपपुर जिला प्राकृतिक रूप से विविध भू-आकृतिक एवं जलवायुवीय विशेषताओं से परिपूर्ण है। यह जिला न केवल वन एवं खनिज संसाधनों से समृद्ध है, बल्कि यहाँ की कृषि भी स्थानीय जनजीवन की जीवनरेखा मानी जाती है। जिले की अधिकांश जनसंख्या कृषि व्यवस्था पर निर्भर रहती है, परंतु कृषि की दशा एवं दिशा जल संसाधनों की उपलब्धता पर प्रत्यक्ष रूप से आश्रित रहती है। अनूपपुर जिले में नर्मदा, सोन एवं जोहिला आदि नदियों का प्रवाह वर्ष पर्यनत बना रहता है, वहीं अनेक जलाशय एवं तालाब भी मौजूद हैं। इसके बावजूद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सिंचाई की विषमता तथा जल संसाधनों के असमान वितरण के कारण कृषि विकास में पर्याप्त असंतुलन देखा जाता है। अध्ययन क्षेत्र के अनेक क्षेत्रों में किसान आज भी वर्षा पर निर्भर रहकर कृषि कार्य करते हैं, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता सीमित रह जाती है।

इस शोध आलेख का मुख्य आशय यह है कि अनूपपुर जिले में जल संसाधनों की भौगोलिक स्थिति, उनकी उपलब्धता, उपयोगिता तथा कृषि पर उनके प्रभाव का गहन विश्लेषण करना है तथा

साथ ही यह भी समझने का प्रयास किया गया है कि जल संसाधनों की उपलब्धता किन क्षेत्रों में अधिक है और किन क्षेत्रों में जल संकट के कारण कृषि विकास बाधित होता है। जल संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, सतत् उपयोग, जल संरक्षण तकनीकों की उपयोगिता तथा सरकार द्वारा संचालित जल-संबंधी योजनाओं का स्थानीय स्तर पर क्या प्रभाव पड़ा है, इन सभी तथ्यों पर व्यापक प्रकाश डाला गया है।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, भूजल स्तर में गिरावट तथा परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा आदि ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में अनूपपुर जिले में जहाँ कृषिगत कार्य और जनजीवन की जल पर अत्यधिक निर्भरता बनी हुयी है, वहीं जल संसाधनों के कुशल एवं सतत् प्रबंधन की महती आवश्यकता है। यदि जल संसाधनों का वैज्ञानिक ढंग से संवर्धन और संचालन किया जाए, तो जिले की कृषि न केवल आत्मनिर्भर हो सकती है, बल्कि स्थानीय कृषकों की आर्थिक स्थिति में भी गुणात्मक सुधार लाया जा सकता है।

शोध उद्देश्य –

प्रस्तुत शोध पत्र अनूपपुर जिले के कृषि विकास में जल संसाधन का प्रभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन से संबंधित कुछ प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

(१) अनूपपुर जिले में उपलब्ध जल संसाधनों की प्रकृति, वितरण एवं उपयोग की भौगोलिक दृष्टि से समीक्षा करना।

(२) जल संसाधनों का कृषि विकास पर प्रभाव निर्धारित करना एवं जल-आधारित कृषि असमानताओं का विश्लेषण करना।

उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए शोध पत्र को वास्तविक मानकों के अनुरूप पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया गया है।

शोध विधि –

प्रस्तुत शोध पत्र में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध विधियों का प्रयोग किया गया है। समंक संकलन हेतु प्राथमिक स्रोतों में साक्षात्कार अनुसूची एवं प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण को सम्मिलित किया गया, जिसमें अनूपपुर जिले के विभिन्न विकासखंडों अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी एवं पुष्पराजगढ़ से ३०० कृषकों का चयन कर जानकारी संकलित की गई है। द्वितीयक स्रोतों में पुस्तकों, शोध पत्रों, सरकारी रिपोर्टों, जिला कृषि विभाग के आँकड़ों एवं जल संसाधन विभाग की प्रकाशित सामग्री का उपयोग किया गया है। इस प्रकार संकलित आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण कर तालिकाओं एवं प्रतिशतों के माध्यम से निष्कर्ष निकाले गए हैं, जिससे शोध उद्देश्य की पुष्टि हो सके।

विश्लेषण –

प्रस्तुत शोध "अनूपपुर जिले के कृषि विकास में जल संसाधन का प्रभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" के अंतर्गत अनूपपुर जिले को अध्ययन क्षेत्र के रूप में चयनित किया गया है। इस अध्ययन में जिले के विकासखंडों अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी एवं पुष्पराजगढ़ से कुल ३०० उत्तरदाताओं का चयन किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से कृषक, भूमिस्वामी, तथा कृषि कार्य से जुड़े श्रमिकों से समंकों को एकत्रित किया है, ताकि सभी वर्गों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। इस प्रकार शोध अध्ययन के उद्देश्यों के आधार पर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है, जो इस प्रकार है-

सारणी क्रमांक–०१

अनूपपुर जिले में उपलब्ध जल संसाधनों की प्रकृति, वितरण एवं उपयोग का विवरण

क्र.	विवरण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
१.	कृषि के लिये सतही जल (नदी/तालाब) का उपयोग	७२	२४.००
२.	कृषि के लिये भूमिगत जल का उपयोग	९३	३१.००
३.	वर्षा आधारित कृषि पर निर्भरता	८७	२९.००
४.	जल संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण कृषि की समस्याएँ	४८	१६.००
कुल योग		**३००**	**१००.००**

स्रोत– व्यक्तिगत सर्वेक्षण।

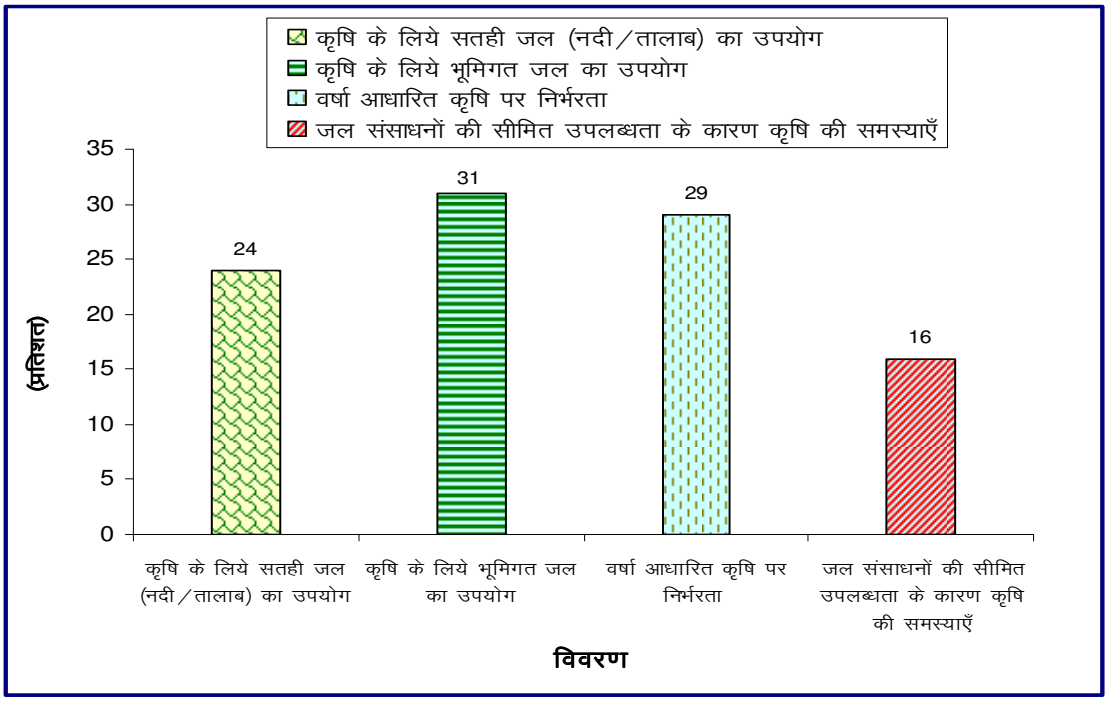

आरेख क्रमांक–१ : अनूपपुर जिले में उपलब्ध जल संसाधनों की प्रकृति, वितरण एवं उपयोग का विवरण।

उक्त सारणी क्रमांक ०१ एवं आरेख के समंकों से सुस्पष्ट होता है कि अनूपपुर जिले में जल संसाधनों की प्रकृति, वितरण एवं उपयोग से संबंधित तथ्यों को प्रस्तुत किया गया है, जिसके लिए सर्वेक्षित किये गये उत्तरदाताओं में से सर्वाधिक ९३ लोगों का मानना रहा है कि अनूपपुर जिले में कृषि कार्यों में सबसे अधिक भूमिगत जल कूप/नलकूप का उपयोग कर प्रयोग में लाये जाते हैं, जिनका प्रतिशत ३१.०० है। इसी प्रकार ८७ लोगों का मानना है कि वर्षा आधारित कृषि पर निर्भरता अधिक है जिनका प्रतिशत २९.०० है। अध्ययन क्षेत्र में कृषि के लिए सतही जल (नदी/तालाब) के उपयोग को सर्वेक्षित व्यक्तियों में से ७२ लोगों ने माना है, जिनका प्रतिशत २४.०० है और जल संसाधनों की

सीमित उपलब्धता के कारण कृषि की समस्याएं होने को ४८ लोगों ने माना है, जिनका प्रतिशत १६.०० है। अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि अनूपपुर जिले में सर्वाधिक जल का उपयोग कृषि कार्यों में भूमिगत जल का उपयोग किया जाता है, जिसे संरक्षित किये जाने की जरूरत है, ताकि भूमिगत जल संरक्षित कर लम्बे समय तक के लिए अर्थात् भविष्य के लिए संजोया जा सके।

सारणी क्रमांक-०२

जल संसाधनों का कृषि विकास पर प्रभाव एवं कृषि असमानताओं का विवरण

क्रमांक	विवरण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
१.	जल संसाधनों की उपलब्धता से कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है	१०२	३४.००
२.	जल की कमी के कारण कृषि में हानि या असंतुलन	८१	२७.००
३.	सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर विविध फसलों की खेती संभव होती है	६९	२३.००
४.	जल असमानता के कारण क्षेत्रीय कृषि विकास में अंतर	४८	१६.००
	कुल योग	**३००**	**१००.००**

स्रोत- व्यक्तिगत सर्वेक्षण।

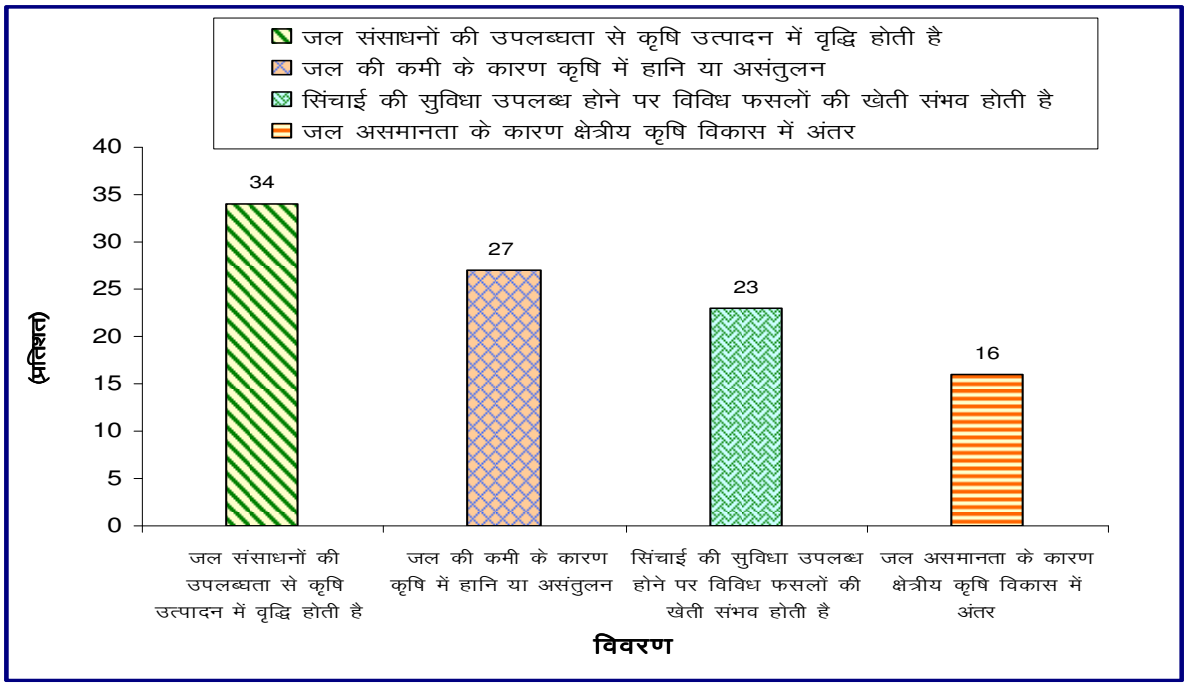

आरेख क्रमांक-२ : जल संसाधनों का कृषि विकास पर प्रभाव एवं कृषि असमानताओं का विवरण

उपरोक्त सारणी क्रमांक ०२ एवं आरेख के तथ्यों से स्पष्ट होता है कि यह अध्ययन क्षेत्र में जल संसाधनों का कृषि विकास पर प्रभाव एवं कृषि असमानताओं के विवरण से संबंधित है, जिसके लिए सर्वेक्षित उत्तरदाताओं में से १०२ लोगो का मानना है कि जल संसाधनों की उपलब्धता से कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है जिनका प्रतिशत ३४.०० है। इसी प्रकार ८१ लोगों का कहना रहा है कि जल की कमी के कारण कृषि में हानि या असन्तुलन होता है जिनका प्रतिशत २७.०० है। जबकि ६९ उत्तरदाताओं का मानना रहा है कि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर अनेक फसलों की खेती सम्भव होती है जिनका प्रतिशत २३.०० है और सर्वेक्षित व्यक्तियों में से ४८ लोगों ने माना है कि असमानता के कारण क्षेत्रीय कृषि विकास में अन्तर होता है, जिनका प्रतिशत १६.०० है। अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि अनूपपुर जिले में जल संसाधनों की उपलब्धता में असमानता होने के कारण कृषिगत कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे कृषकों की आर्थिक दशाओं में कोई विशेष बदलाव नहीं हो रहे हैं, अतएव अध्ययन क्षेत्र के सभी भू-भागों में कृषिगत सिंचाई के संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित कर कृषि उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है जिससे कृषकों की आर्थिक दशा परिवर्तित होगी।

निष्कर्ष –

प्रस्तुत शोध अनूपपुर जिले के कृषि विकास में जल संसाधन का प्रभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन के माध्यम से यह स्पष्ट किया जा सका है कि जिले की कृषि व्यवस्था प्रत्यक्ष रूप से जल संसाधनों पर निर्भर है। समंकों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि लगभग ३१ प्रतिशत कृषक भूमिगत जल स्रोतों (कूप/नलकूप) पर निर्भर हैं, जबकि २९ प्रतिशतकृषक अब भी वर्षा आधारित कृषि कार्य करते हैं, जो स्थिति दर्शाती है कि जिले में सिंचाई सुविधा का समान विस्तार अभी नहीं हुआ है। जबकि ३४ प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि जल संसाधनों की उपलब्धता से कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है, जबकि २७ प्रतिशत उत्तरदाताओं ने जल संकट को कृषि में बाधा के रूप में स्वीकार किया है। यह तथ्य इस ओर संकेत करता है कि जल संसाधनों की असमानता के कारण क्षेत्रीय कृषि विकास में स्पष्ट अंतर उत्पन्न हो रहा है।

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि अनूपपुर जिले में जल संसाधनों का समुचित प्रबंधन, समान वितरण एवं वर्षा जल संरक्षण की योजनाओं को व्यवहार में लाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे कृषि उत्पादन को स्थायित्व मिले और कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके तथा जल एवं कृषि के बीच संतुलन स्थापित करके ही सतत् कृषि विकास की अवधारणा को सफल बनाया जाना सम्भव हो सकेगा।

संदर्भ –

१. त्रिपाठी, आर.पी., भारतीय कृषि का भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद, २०१८, पृष्ठ ११२
२. सिंह, ललिता, जल संसाधन एवं उनका प्रबंधन, नवीन प्रकाशन, भोपाल, २०१९, पृष्ठ ८५
३. मिश्रा, डी.एन., मध्यप्रदेश के प्राकृतिक संसाधन, शिखा पब्लिकेशन, जबलपुर, २०२०, पृष्ठ १४७
४. भारत सरकार, जल संसाधन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट, नई दिल्ली, २०२१, पृष्ठ ६६
५. अनूपपुर जिला पंचायत, कृषि एवं सिंचाई रिपोर्ट, जिला कार्यालय, अनूपपुर, २०२२, पृष्ठ ३४
६. सक्सेना, एस.सी., भारत में ग्रामीण विकास और जल नीति, ज्ञानदीप पब्लिशर्स, जयपुर, २०१७, पृष्ठ ९३

■ ■ ■